

08 जुलाई 2024 : समाचार विश्लेषण

A. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 1 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

B. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

C. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

D. सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 4 से संबंधित:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

E. संपादकीय:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

1. पुरानी परंपराएँ, नए संबंध:

2. बदलाव की बयार:

**विज्ञान:**

1. एएनआरएफ योजना गलत दिशा में आगे बढ़ी:

**F. प्रीलिम्स तथ्य:**

1. GIFT सिटी के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात से चांदी के बेतहाशा आयात पर खतरे के बादल:

2. ग्राफीन: एक साधारण आश्चर्य

**G. महत्वपूर्ण तथ्य:**

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

**H. UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

**I. UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:**

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

संपादकीय:

पुरानी परंपराएँ, नए संबंध:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: द्विपक्षीय, क्षेत्रीय एवं वैश्विक समूह और भारत से जुड़े और/ या भारत के हितों को प्रभावित करने वाले करार।

मुख्य परीक्षा: बदलते समय में भारत-रूस संबंध।

विवरण:

- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मॉस्को यात्रा वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलनों की निरंतरता का प्रतीक है।
- यह मोदी की अपने तीसरे कार्यकाल में पहली द्विपक्षीय यात्रा है, जो भारत-रूस साझेदारी के महत्व को उजागर करती है।
- यह यात्रा भारतीय प्रधानमंत्रियों द्वारा नई सरकार के गठन के बाद पड़ोसी देशों का पहले दौरा करने की परंपरा को तोड़ती है।

यूक्रेन युद्ध के बाद पहली मोदी-पुतिन मुलाकात:

- 22वां भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद पहला सम्मेलन है।
- युद्ध के बाद से मोदी और पुतिन की केवल एक बार मुलाकात हुई है, वह भी उज्बेकिस्तान में एससीओ शिखर सम्मेलन में।

द्विपक्षीय मुद्दे और युद्ध संबंधी चिंताएँ:

- वार्ता में व्यापार, ऊर्जा संबंध, अंतरिक्ष सहयोग और रक्षा आपूर्ति पर चर्चा होगी।

- यूक्रेन युद्ध का वैश्विक सुरक्षा पर प्रभाव, खाद्य, ईंधन और उर्वरक की कमी तथा रूस से रक्षा आपूर्ति प्रमुख चिंताएं हैं।
- रक्षा क्षेत्र में "मेक इन इंडिया" के लिए भारत के प्रयास तथा आपूर्ति विश्वसनीयता और भुगतान संबंधी चिंताओं पर चर्चा की जाएगी।
- रूसी सेना में भारतीयों की भर्ती एक और चिंता का विषय है।

### भू-राजनीतिक निहितार्थ:

- मोदी की यात्रा वाशिंगटन में आयोजित नाटो शिखर सम्मेलन के विपरीत एक मजबूत भू-राजनीतिक संदेश भेजती है।
- अमेरिकी राष्ट्रपति नाटो नेताओं की मेजबानी करेंगे, जो रूस के "अलगाव" को प्रदर्शित करेगा।
- मोदी इटली में जी-7 शिखर सम्मेलन में भाग लेकर, ज़ेलेंस्की से मुलाकात करके तथा स्विट्जरलैंड में शांति सम्मेलन में भाग लेकर संतुलन बनाये हुए हैं।
- भारत के बहुधुवीय रुख का उद्देश्य यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए "वार्ता और कूटनीति" को बढ़ावा देना है।

### सारांश:

- प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मॉस्को यात्रा यूक्रेन युद्ध के बीच भारत-रूस संबंधों की पुष्टि करती है, जिसमें द्विपक्षीय सहयोग और वैश्विक सुरक्षा चिंताओं पर ध्यान केंद्रित किया गया है, साथ ही पश्चिमी गठबंधनों के खिलाफ संतुलन का भू-राजनीतिक संदेश भेजा गया है और संवाद और कूटनीति की वकालत की गई है।

### बदलाव की बयार:

### सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 2 से संबंधित:

### अंतर्राष्ट्रीय संबंध:

विषय: भारत के हितों पर भारतीय परिदृश्य पर विकसित और विकासशील देशों की नीतियां और राजनीति का प्रभाव।

मुख्य परीक्षा: ईरान में राजनीतिक विकास।

संदर्भ:

- नैतिक पुलिसिंग का विरोध करने वाले और पश्चिमी जुड़ाव के पक्षधर सुधारवादी मसूद पेजेशकियन ने ईरान के राष्ट्रपति पद के लिए दूसरे दौर का चुनाव जीत लिया है।
- उनकी जीत आर्थिक और सामाजिक तनावों के बीच आश्चर्यजनक राजनीतिक बदलाव करने की ईरान की क्षमता का संकेत देती है।
- इससे पहले, ईरान की कार्यपालिका, विधायिका और न्यायपालिका पर सुधारों का विरोध करने वाले रुढ़िवादियों का नियंत्रण था।

चुनावी संदर्भ:

- विरोध और राज्य दमन ने हाल के वर्षों को चिह्नित किया, जो एक वृद्ध क्रांति का संकेत देता है।
- रुढ़िवादी इब्राहिम रईसी की मई में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में मृत्यु हो गई थी, जिसके कारण यह मतदान आवश्यक हो गया था।
- सीमित प्रशासनिक अनुभव वाले पेजेशकियन को ईरान के कमजोर सुधारवादी गठबंधन का समर्थन प्राप्त था।
- पूर्व राष्ट्रपति हसन रुहानी और अन्य उदारवादियों के समर्थन से उनकी उम्मीदवारी को बल मिला।
- पेजेशकियन ने रुढ़िवादी सईद जलीली को हराकर 53.6% वोट हासिल किए।

मतदाता उपस्थिति और वैधता:

- ईरान के कई मतदाता विरोध में चुनाव से दूर रहे थे।

- पहले चरण में 39.9% मतदान हुआ, जिससे प्रणाली की वैधता पर बहस छिड़ गई।
- सुधारवादियों की जीत की संभावना के कारण दूसरे चरण में मतदान प्रतिशत लगभग 50% तक बढ़ गया।
- पेजेशकियन की जीत सुधार और परिवर्तन के प्रति जनता की उच्च उम्मीदों को दर्शाती है।

### चुनौतियाँ और अवसर:

- पेजेशकियन ने विरोध प्रदर्शनों से निपटने के तरीके की आलोचना की है तथा 2015 के परमाणु समझौते को पुनर्जीवित करने के लिए पश्चिम के साथ बातचीत का समर्थन किया है।
- ईरान के धर्मतंत्र में राष्ट्रपति की सीमित शक्ति के बावजूद, पेजेशकियन का मजबूत जनादेश सुधारों को आगे बढ़ाने का अवसर प्रदान करता है।
- पादरियों को उनकी जीत को एक सार्वजनिक संदेश के रूप में देखना चाहिए, जो क्रमिक सुधारों और सावधानीपूर्वक अंतर्राष्ट्रीय जुड़ाव को बढ़ावा देता है।
- पेजेशकियन और पादरी के बीच एक समान आधार ईरान को अपनी वर्तमान चुनौतियों से निपटने में मदद कर सकता है।

### सारांश:

- ईरान में मसूद पेजेशकियन की अप्रत्याशित राष्ट्रपति पद की जीत आर्थिक और सामाजिक चुनौतियों के बीच सुधार की ओर संभावित बदलाव का संकेत देती है। उनकी जीत, मतदाताओं की बढ़ती संख्या के समर्थन से, धीरे-धीरे आंतरिक सुधारों और पश्चिम के साथ नए सिरे से बातचीत का अवसर प्रस्तुत करती है।

एएनआरएफ योजना गलत दिशा में आगे बढ़ी:

सामान्य अध्ययन प्रश्न पत्र 3 से संबंधित:

विज्ञान:

विषय: विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी में भारत कि उपलब्धियां; देशज रूप से प्रौद्योगिकी का विकास और नई प्रौद्योगिकी का विकास।

मुख्य परीक्षा: 'अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ)' से सम्बन्धित: जानकारी।

### विवरण:

- वर्ष 2023 में, अनुसंधान राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एएनआरएफ) विधेयक संसद के दोनों सदनों द्वारा पारित किया गया था।
- एएनआरएफ का उद्देश्य भारत में, विशेष रूप से विश्वविद्यालयों और कॉलेजों में अनुसंधान को बढ़ावा देना, विकसित करना और सुविधा प्रदान करना है।
- 2019 राष्ट्रीय अनुसंधान फाउंडेशन (एनआरएफ) परियोजना रिपोर्ट ने राज्य विश्वविद्यालयों में मौजूदा अनुसंधान कोशिकाओं को बढ़ाने पर जोर दिया।
- वैज्ञानिक समुदाय ने अनुमान लगाया कि एएनआरएफ नौकरशाही से राहत प्रदान करेगा और उद्योग भागीदारों के साथ सहयोग को सक्षम करते हुए वित्त पोषण को बढ़ावा देगा।

### उद्योग प्रतिनिधित्व की कमी:

- लगभग एक साल बाद, एएनआरएफ चुनौतियों का सामना कर रहा है।
- हाल ही में घोषित 15 सदस्यीय गवर्निंग बोर्ड और 16 सदस्यीय कार्यकारी परिषद में प्रमुख संगठनों का प्रतिनिधित्व नहीं है।
- विश्वविद्यालय अनुसंधान बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लक्ष्य के बावजूद, बोर्ड या परिषद में केंद्रीय या राज्य विश्वविद्यालयों या कॉलेजों का कोई सदस्य नहीं है।
- बोर्ड में उच्च स्तरीय सरकारी अधिकारी और उल्लेखनीय वैज्ञानिक शामिल हैं, लेकिन विश्वविद्यालय प्रणाली में जमीनी स्तर के अनुभव वाले व्यक्तियों की कमी है।

- व्यावहारिक ज्ञान और अनुभव पर जोर देते हुए रणनीतियों को तैयार करने और लागू करने के लिए एक ही समिति का होना महत्वपूर्ण है।

### अपर्याप्त प्रतिनिधित्व और विविधता के मुद्दे:

- एएनआरएफ की योजना गैर-सरकारी और उद्योग स्रोतों से अपने वित्त पोषण का 70% से अधिक जुटाने की है।
- बोर्ड के एकमात्र उद्योग प्रतिनिधि रोमेश टी. वाधवानी हैं, जो सिलिकॉन वैली में स्थित एक भारतीय-अमेरिकी व्यवसायी हैं।
- एकमात्र महिला प्रतिनिधि वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान विभाग (डीएसआईआर) की सचिव हैं।
- भारतीय उद्योग जगत के प्रतिनिधियों, उद्यमियों तथा केन्द्रीय एवं राज्य विश्वविद्यालयों के प्रतिष्ठित शिक्षाविदों की अनुपस्थिति उल्लेखनीय है।

### अनुसंधान एवं विकास में अपर्याप्त वित्तपोषण और प्रणाली में आमूलचूल परिवर्तन:

- भारत अनुसंधान और विकास के लिए काफी कम वित्तपोषण करता है:
- अनुसंधान और नवाचार को बढ़ाने के लिए, एएनआरएफ को:
  - आरएंडडी बजट को जीडीपी के 4% तक बढ़ाना चाहिए।
  - वर्तमान वित्तपोषण प्रणाली में सुधार करना चाहिए।
  - एक मजबूत अनुदान प्रबंधन प्रणाली को लागू करना चाहिए।
  - अनुदान और फैलोशिप का समय पर वितरण सुनिश्चित करना चाहिए।
  - नौकरशाही बाधाओं को दूर करना चाहिए और खर्च में लचीलापन प्रदान करना चाहिए।
  - कठोर सरकारी वित्तीय नियमों और खरीद प्रक्रियाओं से स्वतंत्र रूप से काम करना चाहिए।

- एएनआरएफ को वर्तमान सरकारी विज्ञान विभागों से अलग तरीके से कार्य करना चाहिए, तथा इसमें विविध प्रतिनिधित्व होना चाहिए, विशेष रूप से कार्यरत वैज्ञानिकों, महिलाओं और युवा उद्यमियों का।
- एएनआरएफ के भावी सीईओ के पास उद्योग और शिक्षा दोनों में पृष्ठभूमि होनी चाहिए और वह वैश्विक नवाचार पारिस्थितिकी तंत्र को समझने और धन जुटाने में सक्षम होना चाहिए।
- एएनआरएफ को एक और सामान्य सरकारी विभाग बनने से रोकने और विश्वविद्यालयों में अनुसंधान और शिक्षण को प्रभावी ढंग से जोड़ने के लिए एक पूर्ण बदलाव की आवश्यकता है।

**सारांश:**

- एएनआरएफ, अपनी आशाजनक शुरुआत के बावजूद, उद्योग और विश्वविद्यालय प्रतिनिधित्व की कमी, अपर्याप्त वित्त पोषण और नौकरशाही बाधाओं के लिए आलोचना का सामना कर रहा है। भारत के अनुसंधान पारिस्थितिकी तंत्र में प्रभावी अनुसंधान सुविधा, विविध प्रतिनिधित्व और मजबूत उद्योग-अकादमिक सहयोग सुनिश्चित करने के लिए एक व्यापक बदलाव की आवश्यकता है।

**प्रीलिम्स तथ्य:****1. GIFT सिटी के माध्यम से संयुक्त अरब अमीरात से चांदी के बेतहाशा आयात पर खतरे के बादल:****संदर्भ:**

- भारत के लगभग सभी चांदी आयात का संचालन दुबई से गिफ्ट सिटी एक्सचेंज के माध्यम से कुछ निजी खिलाड़ियों द्वारा किए जाने के कारण सराफा बाजार में बड़ी उथल-पुथल मची हुई है।
- समय के साथ राजकोष को महत्वपूर्ण राजस्व हानि होने की संभावना।
- व्यापार अनुसंधान निकाय ने हितों के टकराव की पहचान करने के लिए निर्यात और आयात फर्मों के बीच संबंधों की जांच की मांग की है।

### चांदी के आयात और शुल्क मध्यस्थता में उछाल:

- 2023-24 में UAE से भारत का सोना और चांदी का आयात 210% बढ़कर \$10.7 बिलियन पर पहुंच गया; कुल चांदी का आयात \$5.4 बिलियन रहा।
- मई में भारत का 87% चांदी का आयात अन्य बंदरगाहों को दरकिनार करते हुए दुबई से गिफ्ट सिटी के माध्यम से 8% कम शुल्क पर हुआ।
- गिफ्ट सिटी एक्सचेंज आयात को आरबीआई/डीजीएफटी द्वारा नामित एजेंसियों तक सीमित नहीं रखता है तथा उसे अन्यत्र सीमा शुल्क विभाग द्वारा मूल नियमों से संबंधित किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ा है।

### उत्पत्ति के नियमों से जुड़ी चिंताएँ और CEPA:

- ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (GTRI) ने भारत-यूई CEPA (व्यापक आर्थिक भागीदारी समझौते) उत्पत्ति के नियमों के अनुपालन पर चिंता जताई है, जब अन्य बंदरगाहों के माध्यम से आयात इन आवश्यकताओं को पूरा करने में विफल रहता है।
- CEPA समझौते में 10 वर्षों में चांदी के आयात शुल्क को धीरे-धीरे घटाकर 0% करने का प्रावधान है, जो उत्पत्ति के नियमों को पूरा करने की शर्त पर लागू होता है।
- GTRI ने टैरिफ आर्बिट्रेज के कारण ₹ 6,700 करोड़ के संभावित राजस्व नुकसान की चेतावनी दी है और CEPA शर्तों पर फिर से बातचीत करने और दुबई के निर्यातकों के मूल्य संवर्धन दावों पर सख्त जाँच का सुझाव दिया है।

## 2. ग्राफीन: एक साधारण आश्चर्य

### ग्राफीन से सम्बन्धित जानकारी:

- कार्बन का अपरूप: ग्राफीन हीरा और ग्रेफाइट की तरह कार्बन का अपरूप है। इसमें कार्बन परमाणुओं की एक परत होती है, जिसे मधुकोश पैटर्न (honeycomb pattern) में व्यवस्थित किया जाता है।
- असाधारण गुण: हीरे से अधिक मजबूत, चांदी से अधिक सुचालक, रबर से अधिक लोचदार और एल्युमीनियम से हल्का। इसे "अद्भुत पदार्थ" के रूप में जाना जाता है।

### उत्पादन और अनुप्रयोग:

- सरल उत्पादन: मूल विधि में पेंसिल की लीड को छीलने के लिए स्कॉच टेप का उपयोग करना शामिल है, जिससे माइक्रोस्कोप के नीचे ग्राफीन अवशेष दिखाई देते हैं।
- उन्नत तकनीक: वैज्ञानिक कार के टायर और स्मार्टफोन चिप्स में अनुप्रयोगों के लिए रासायनिक वाष्प जमाव जैसी परिष्कृत विधियों का उपयोग करते हैं।
- कंक्रीट संवर्धन: कंक्रीट के साथ ग्राफीन को मिलाने से 25% अधिक मजबूत पदार्थ बनता है और इसका कार्बन फुटप्रिंट कम होता है।

### अद्वितीय गुण:

- ट्विस्टेड बाइलेयर ग्राफीन: जब दो ग्राफीन शीट को एक साथ रखकर 1.1 डिग्री घुमाया जाता है, तो संरचना कम तापमान पर अतिचालकता प्रदर्शित करती है, जिसकी खोज 2019 में की गई थी।

### महत्वपूर्ण तथ्य:

आज इससे संबंधित कुछ नहीं है।

### UPSC प्रारंभिक परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

**प्रश्न 1. अक्सर खबरों में आने वाले माउंट एटना और माउंट स्ट्रॉम्बोली कहाँ स्थित हैं:**

(a) इटली

- (b) इंडोनेशिया  
(c) संयुक्त राज्य अमेरिका  
(d) फिलीपींस

**उत्तर: a**

**व्याख्या:**

- हाल ही में, इटली के माउंट एटना और माउंट स्ट्रॉम्बोली ज्वालामुखी ने गर्म राख और लावा उगल दिया, जिससे सिसिली के भूमध्यसागरीय द्वीप पर चेतावनी का स्तर बढ़ गया।

**प्रश्न 2. निम्नलिखित में से कितने कार्बन के अपरूप हैं?**

1. ग्रेफीन
2. ग्रेफाइट
3. हीरा

**निम्नलिखित कूट का प्रयोग कर सही उत्तर का चयन कीजिए:**

- (a) केवल 1  
(b) केवल 2  
(c) सभी 3  
(d) उपरोक्त में से कोई नहीं

**उत्तर: c**

**व्याख्या:**

- ग्रेफीन, ग्रेफाइट और हीरा सभी तीनों कार्बन के अपरूप हैं।

**प्रश्न 3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. भारत चांदी पर 15% आयात शुल्क लगाता है।
2. भारत केवल भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) और विदेश व्यापार महानिदेशालय (DGFT) द्वारा नामित संस्थानों को ही कीमती धातु का आयात करने की अनुमति देता है।

**उपरोक्त कथनों में से कौन सा/से सही है/हैं?**

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) 1 और 2 दोनों
- (d) न तो 1 और न ही 2

**उत्तर: c**

**व्याख्या:**

- दोनों कथन सही हैं।

**प्रश्न 4. अरुलमिगु समयपुरम मरियम्मन मंदिर, हाल ही में खबरों में रहा, कहाँ स्थित है:**

- (a) तमिलनाडु
- (b) तेलंगाना
- (c) आंध्र प्रदेश
- (d) ओडिशा

**उत्तर: a**

**व्याख्या:**

- अरुलमिगु श्री मरियम्मन मंदिर, समयपुरम तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली जिले में एक प्राचीन हिंदू मंदिर है।

**प्रश्न 5. शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:**

1. यह वर्ष 2001 में स्थापित एक अंतर-सरकारी राजनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा गठबंधन है।
2. भारत और पाकिस्तान एससीओ के पूर्णकालिक सदस्य हैं।
3. एससीओ सचिवालय ताशकंद, उज्बेकिस्तान में स्थित मुख्य स्थायी कार्यकारी निकाय है।

**उपर्युक्त कथनों के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा सही है?**

- (a) केवल 1
- (b) केवल 2
- (c) सभी 3
- (d) उपरोक्त में से कोई नहीं

उत्तर: b

व्याख्या:

- कथन 3 गलत है। एससीओ सचिवालय बीजिंग, चीन में स्थित एससीओ का मुख्य स्थायी कार्यकारी निकाय है।

UPSC मुख्य परीक्षा के लिए अभ्यास प्रश्न:

प्रश्न 1. रूस का सुदूर-पूर्वी क्षेत्र भारत के लिए आर्थिक और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है, ताकि वह इस क्षेत्र में चीन का मुकाबला कर सके।” टिप्पणी कीजिए। (10 अंक, 150 शब्द) [जीएस-2, अंतर्राष्ट्रीय संबंध] (Russia’s far-east region is economically and strategically important for India to counter China in the region.” Comment. (10 marks, 150 words) [GS-2, International Relation])

प्रश्न 2. विधायिका में महिलाओं के प्रतिनिधित्व में सुधार पर चर्चा कीजिए जो लैंगिक समानता और सामाजिक न्याय के संवैधानिक आदर्शों का अभिन्न अंग है। (15 अंक, 250 शब्द) [जीएस-2, राजव्यवस्था] (Discuss the improvements in women’s representation in the legislature remain intrinsic to constitutional ideals of gender equality and social justice. (15 marks, 250 words) [GS-2, Polity])

(नोट: मुख्य परीक्षा के अंग्रेजी भाषा के प्रश्नों पर क्लिक कर के आप अपने उत्तर **BYJU'S** की वेब साइट पर अपलोड कर सकते हैं।)